रजिस्ट्री सं. डी. (डी.एन.)-72 REGISTERED No. D. (D.N.)-72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 192] नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 15, 1983/कार्तिक 24, 1905
No. 192] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 15, 1983/KARTIKA 24, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1983

सं. ए-11016/21/83 ई. 3/2565.—अर्थ व्यवस्था के ढांचे में जो परिवर्तन हुए थे, उन्हें ध्यान में रखते हुए अभी कुछ समय पहले आयात-निर्यात नीति के ढांचे में बहुत से परिवर्तन किए गए हैं । लेकिन नई नीति को लागू करने के लिए संगठनात्मक ढांचे में बहुत अंश तक परिवर्तन किया गया है । सरकार ने इस बात को माना है कि आयात और निर्यात नीति की बनावट और उसके उद्देश्यों में जो मौलिक परिवर्तन आए हैं, उसी के अनुरूप इसके कार्य के निष्पादन के लिए प्राथमिक विनियंत्रक संगठन से संवर्धनात्मक और विकासात्मक संगठन के लिए आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण (आई एण्ड ई टी सी) संगठन में उपयुक्त परिवर्तन किए जाने चाहिएं । एक तरफ आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन आयातकों/निर्यातकों के लिए सेवा करने वाला संगठन है तो दूसरी तरफ नीति के निर्माण के लिए पर्याप्त आंकड़ों का आधार प्रस्तुत करने के लिए भी है । इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया था कि संगठन के "गहन अध्ययन" और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय के ढांचे के कार्यों का अध्ययन करने तथा इसकी प्रबंधकीय क्षमता में यदि आवश्यक हो तो सुझाव देने के लिए एक अध्ययन दल स्थापित किया जाए । इस अध्ययन दल में निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1.	श्री आबिद हुसैन, वाणिज्य सचिव	अध्यक्ष
2.	श्री हितेन भाया, प्रबन्धकीय विशेषज्ञ, 16, न्यू रोड, अलीपुर, कलकत्ता	सदस्य
3.	श्री आर. एन. चोपड़ा, अपर सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उद्योग मंत्रालय	सदस्य
4.	श्री आर. परमेश्वर, अपर सचिव कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (ए. आर. विंग)	सदस्य
5.	श्री पी. सी. जैन, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात	सदस्य
6.	श्री जे. दत्ता, सदस्य, सीमाशुल्क केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क बोर्ड, वित्त मंत्रालय	सदस्य
7.	श्री दीपक नय्यर, आर्थिक सलाहकार, वाणिज्य मंत्रालय	सदस्य

2. समिति के निम्नलिखित कार्य होंगे :—

(क) आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन की भूमिका, कार्य, संगठन, ढांचा, पद्धति और कार्यविधियों की पुनरीक्षा करना ।

(ख) आयात/निर्यात व्यापार के क्षेत्र में आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन की भूमिका और कार्यों को पुनः परिभाषित करना ।

(ग) स्टाफ संबंधी नीतियों सहित आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन के संपूर्ण ढांचे में उपयुक्त परिवर्तन लाने के लिए सुझाव देना ।

(घ) आयात/निर्यात की संवर्धन नीतियों के वर्तमान ढांचे की पुनरीक्षा करना तथा विलंबों और शिकायतों में कमी लाने, शीघ्र निर्णय लेने के लिए समर्थ बनाना, स्टाफ में विश्वास भरने के लिए तथा संगठन के सुधरे हुए रूप को स्थापित करने के विचार से भी कार्य विधियों में सरलीकरण लाने के लिए सुझाव देना ।

(ङ) पर्याप्त आंकड़ा आधार तैयार करना तथा विदेश व्यापार अनुसंधान की योजना बनाने तथा समन्वय लाने के लिए सूचना पद्धति और नीति तैयार करने की आवश्यकताओं से संबंधित विश्लेषण करने के लिए कम्प्यूटर स्थापित करना ।

(च) आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण संगठन और सीमा शुल्क, बैंकों और आयात/निर्यात व्यापार में काम करने वाले अन्य अभिकरणों के बीच गहरे समन्वय स्थापित करने के लिए उपाय सुझाना ।

यदि आवश्यकता हुई तो अध्ययन दल उपर्युक्त कार्यों से संबंधित अन्य पहलुओं पर भी विचार कर सकता है ।

3. एक संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात इस अध्ययन दल के लिए सचिव के रूप में काम करेंगे ।

4. यदि आवश्यकता समझी जाएगी तो यह अध्ययन दल अपने कार्य के किसी विशेष क्षेत्र के लिए सलाह देने के कार्य सहित, इस कार्य के लिए अपनी खुद की कार्य-विधि का निर्माण करेगा ।

5. यह अध्ययन दल छः महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

6. अध्ययन दल का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

टी. एस. आर. सुब्रह्मण्यन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th November, 1983

No. A. 11016|21|83-E. III|2565.—In the recent past, a number of changes have been brought about in the Import-Export Policy framework keeping in view the structural changes which have taken place in the economy. The institutional framework for implementation of the new policies has, however, remained largely unaffected. The Government recognised that, as a corrollary to the fundamental changes in the objectives and structure of the Import Export Policy, suitable changes should be made in the Import & Export Trade Control (I&ETC) Organisation for its transition from a primarily regulatory Organisation to a promotional and developmental one. The I&ETC organisation has to be a service Organisation to the Importers| Exporters on the one hand and it has to generate a sound data base for policy formulation on the other. Keeping these objectives in view, Government have decided to se up a Study Team to undertake an "in-depth study" of the Organisation and structure of the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, and to suggest measures as may be necessary to improve its management capabilities. The Study Team shall consist of :—

1. Shri Abid Hussain— Commerce Secretary—Chairman

2. Shri Hiten Bhaya—Management Expert, 16, New Road, Alipore, Calcutta—Member.

3. Shri R. N. Chopra—Additional Secretary, Deptt. of Industrial Development, Ministry of Industry—Member.

4. Shri R. Parameswar—Additional Secretary, Deptt. of Personnel & A.R. (A.R Wing)—Member.

5. Shri P.C. Jain—Chief Controller of Imports & Exports—Member.

6. Shri J. Datta—Member, Customs, Central Board of Excise & Cutoms, Ministry of Finance—Member.

7. Shri Deepak Navyar—Economic Adviser, Ministry of Commerce—Member.

2. The terms of reference of the Committee will be as follows :

(a) To review the role, functions, organisation, structure, methods and procedures in the I&ETC Organisation.

(b) To redefine the role and functions of the I&ETC Organisation in the field of Import|Export Trade.

(c) To suggest appropriate changes in the set-up of the I&ETC Organisation as a whole including staffing policies.

(d) To review the existing framework of Import|Export promotion policies and to suggest simplification of procedures with a view to reducing the scope for

delays and complaints instilling confidence in the staff for being able to take expeditious decisions. and also projecting a better image of the Organisation.

(e) Introduction of Computerisation to build up a sound data base and information system for planning and corrodination of Foreign Trade Research and Analysis related to the requirements of policy formulation.

(f) To suggest measures for establishing close coordination amongst I&ETC Organisation and customs, banks and other agencies dealing with import|export trade.

The Study Team may, if necessary, consider any other aspects related to the above terms of reference.

3. A Joint Chief Controller of Imports and Exports will act as Secretary to the Study Team.

4. The Study Team will formulate its own procedures of work including engagement of consultant(s), if considered necessary, for any specific area of its work.

5. The Study Team will submit its report within a period of six months.

6. The Headquarters of the Study Team will be at New Delhi.

T.S.R. SUBRAMANIAN, Jt. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1983